SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 2nd YeAR SESSION – 20-22

SUBJECT – C-10 (Creating an Inclusive school)

TOPIC NAME – विशिष्ट शिक्षा एवं समेकित शिक्षा

DATE – 31.01.22

1

⇒ विशिष्ट शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति तथा महत्व एवं विशेषता :-

साधारण शब्दों में विशिष्ट शिक्षा से अभिप्राय उस शिक्षा से है जो विशिष्ट बालकों को दी जाती है। वह शिक्षा जो प्रतिभाशाली एवं पिछड़े बालकों को दी जाती है। विशिष्ट बालकों को सामान्य बालकों से भिन्न शैक्षिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

⇒ शिक्षा के अन्तर्राष्ट्रीय कोष के अनुसार :- वह शिक्षा जो उन बच्चों को दी जाती है जो विशेष शैक्षिक उपचार की इसलिए अपेक्षा करते है, क्योंकि या तो वे प्रतिभाशाली है या शारीरिक या मानसिक दृष्टि से विकलांग है या शैक्षिक दृष्टि से सामान्य से भिन्न है।"

⇒ जे. डी. हण्ट के अनुसार :- "विशिष्ट शिक्षा वह शिक्षा है जो शारीरिक या सामाजिक विशेषताओं में सामान्य बालकों की शिक्षा से अलग है।"

⇒ विशिष्ट शिक्षा की प्रकृति तथा महत्व :-

1. विशिष्ट शिक्षा विशेष बच्चों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता करती है चाहे वह बच्चा प्रतिभाशाली हो या पिछड़ा।

2. विशिष्ट शिक्षा विशिष्ट बच्चों की पहचान में सहायक है।

3. विशिष्ट शिक्षा की प्रकृति विकासात्मक है। विशिष्ट शिक्षा विशिष्ट बालकों को आत्मनिर्भर बनाती है तथा उनमें आत्म विश्वास का ... करती है।

4. विशिष्ट शिक्षा प्रदान करने के लिए विशेष शिक्षा सामग्री, विशेष पाठ्यक्रम एवं विशेष प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापकों की आवश्यकता होती है।

5. विशिष्ट शिक्षा द्वारा पिछड़े बच्चों को उनके स्तर के अनुसार व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें आत्म निर्भर बनाया जा सकता है।

6. यह शिक्षा बालकों की क्षमताओं, योग्यताओं, एवं रूचियों को ध्यान में रखकर की जाती है।

7. प्रत्येक नागरिक को सामान्य शिक्षा लेने का अधिकार है। अतः विशिष्ट बालकों को विशिष्ट शिक्षा का अधिकार है।

8. यह शिक्षा लोगों का विशिष्ट बालकों के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव लाती है।

⇒ विशिष्ट शिक्षा की विशेषताएँ

1. विशिष्ट शिक्षा साधारण शिक्षा का एक रूपांतर है।
2. विशिष्ट शिक्षा अपेक्षा बालकों के लिये शिक्षण विधियों पर जोर देती है।
3. सामान्य बालक को यह शिक्षा नहीं दी जाती।
4. विशिष्ट शिक्षा योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित ढंग से प्रदान की जाती है।
5. मानसिक रूप से पिछड़े बालकों को विशिष्ट शिक्षा से अत्यन्त लाभ होता है।

⇒ विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य :

विशिष्ट शिक्षा के उद्देश्य निम्नलिखित हैं —

1. विशिष्ट बच्चों की विशेष आवश्यकताओं की पूर्व पहचान तथा निर्धारण करना।

2. शारीरिक दोष की दशा में इससे पहले की वे गम्भीर स्थिति को प्राप्त हो, उनकी रोकथाम के लिए उपाय करना।

3. इस शिक्षा का उद्देश्य विशेष बच्चे का सर्वांगीण विकास करना है।

4. इस शिक्षा का उद्देश्य विशिष्ट बच्चों के प्रति माता-पिता एवं समाज के लोगों की सोच व दृष्टिकोण को बदलना है।

5. शारीरिक रूप से बाधित बालकों की शिक्षण समस्याओं की जानकारी देना तथा सुधार हेतु सामूहिक संगठन तैयार करना।

6. विशेष बच्चों को इस प्रकार का वातावरण प्रदान करना, जिससे वे देश की मुख्य धारा से जुड़ सकें।

7. यह शिक्षा विशिष्ट बच्चों को प्रेरणा प्रदान करती है ताकि वे भी अपने जीवन के उद्देश्य को प्राप्त कर सकें।

⇒ समेकित शिक्षा या एकीकृत शिक्षा अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएँ :-

एकीकृत शिक्षा मुख्यत: अमेरिका की 'मुख्य धारा आन्दोलन' का ही परिणाम है। एकीकृत शिक्षा शारीरिक एवं मानसिक रूप से बाधित बालकों को सामान्य बालकों के साथ सामान्य कक्षा में शिक्षा प्राप्त करना एवं विशिष्ट सेवाएं देकर विशिष्ट आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए सहायता करती है।

कुक्शंक के अनुसार - "विशिष्ट बालकों की शिक्षा सम्पूर्ण शिक्षा का हिस्सा है।"

अतः एकीकृत शिक्षा वह शिक्षा है जिसके अन्तर्गत शारीरिक रूप से बाधित बालक तथा सामान्य बालक सामान्य कक्षा में साथ-साथ शिक्षा ग्रहण करते है। एकीकृत शिक्षा विशिष्ट शिक्षा का विकल्प न होकर विशिष्ट शिक्षा का पूरक है। यह शिक्षा अपंग बालकों के जीवन स्तर को ऊँचा उठाती है तथा उनके नागरिक अधिकारों को यह शिक्षा सुनिश्चित करती है।

⇒ एकीकृत शिक्षा की प्रकृति एवं विशेषताएँ :-

1. यह शिक्षा अपंग बच्चों को कम प्रतिबंधित एवं अधिक प्रभावी वातावरण उपलब्ध कराती है, जिससे वे सामान्य बालकों के समान जीवनयापन कर सकें।

2. एकीकृत शिक्षा द्वारा जो सुविधाएँ सामान्य बालकों को प्रदान की जाती है वही सुविधाए असमर्थ बालकों को भी प्रदान की जाती है।

3. यह शिक्षा माता-पिता, अध्यापकों एवं शिक्षाविदों के सामूहिक प्रयास पर आधारित है।

4. यह शिक्षा विशिष्ट एवं सामान्य बालकों के ~~मध्य~~ बीच के शारीरिक अंतर को खत्म करती है।

5. यह शिक्षा 'सबके लिए शिक्षा' के अधिकार का अनुपालन करती है। यह शिक्षा जाति, रंग एवं धर्म आदि के आधार पर भेद-भाव नहीं करती है।

6. इस शिक्षा द्वारा समर्थ एवं असमर्थ बच्चे एक-दूसरे के नजदीक आते हैं जिससे विद्यालय का वातावरण अच्छा बनता है।

⇒ एकीकृत शिक्षा का महत्व :-

असमर्थ बालकों के लिए पहले विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता महसूस की गयी, क्योंकि विशिष्ट बालक सामान्य बालकों से अलग होते हैं। लेकिन मनोवैज्ञानिकों ने महसूस किया कि इससे बच्चों में हीन भावना का विकास हो रहा है। इसलिए विशिष्ट एवं सामान्य बच्चों के लिए एक शिक्षा अर्थात् समाकलित शिक्षा अर्थात् एकीकृत शिक्षा को अपनाया गया।

निम्न महत्व है _

i. सामाजिक मूल्यों का विकास ।

2. प्राकृतिक वातावरण ।

3. मानसिक विकास

4. समानता का सिद्धान्त ।

5. कम खर्चीली ।